पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

लखनऊ महोत्सव - 2014 का समापन

ऐसे सुन्दर आयोजन का नाम गिनीज बुक आफ रिकार्ड में होना चाहिये - राज्यपाल

लखनऊ शहर जैसा शहर नहीं देखा - श्री नाईक

लखनऊः 07 दिसम्बर, 2014

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज लखनऊ महोत्सव के समापन समारोह के अवसर पर कहा कि 39 वर्षों से लगातार महोत्सव का सफल आयोजन करना और हर बार नई चीजें जोड़ना गौरव की बात है। लखनऊ महोत्सव का आयोजन पहले बेगम हजरत महल पार्क में किया जाता था। भीड़ के कारण महोत्सव लक्ष्मण मेला स्थल स्थानान्तरित किया गया और अब रमाबाई मैदान लखनऊ महोत्सव के लिये भी छोटा लगता है। इसकी लोकप्रियता और उत्साह देखकर महोत्सव को और आगे बढ़ाने का प्रयास होना चाहिये। महोत्सव में अनेक कलाओं का प्रदर्शन हुआ लेकिन लखनऊ महोत्सव में मन को जीत लेने की कला है। उन्होंने कहा कि ऐसे सुन्दर आयोजन का नाम गिनीज बुक आफ रिकार्ड में होना चाहिये।

राज्यपाल ने लखनऊ शहर की तारीफ करते हुए कहा कि देश और विदेश के बहुत शहर देखे मगर लखनऊ शहर जैसा शहर नहीं देखा। यहाँ का रहन-सहन, साहित्य, कला एवं संस्कृति बेमिसाल है। लखनऊ में सम्प्रदायिक सौहाद्र भी अद्भुत है। हिन्दू राजाओं ने मुस्लिम धार्मिक स्थल के निर्माण में सहयोग दिया तो मुस्लिम नवाबों ने मन्दिर बनवाने हेतु सहयोग किया। 'पहले आप' की विरासत अद्भुत है। लखनऊ की अब नई तस्वीर देश के सामने बन रही है। अनेक विख्यात शिक्षण संस्थायें और नये निर्माण चाहे वह पार्क हो या मेट्रो से ऐतिहासिक धरोहरों के साथ नई पहचान बन रही है। उन्होंने घोषणा की कि लखनऊ महोत्सव लोकप्रियता के मद्देनजर आगामी तीन दिन के लिये बढाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लखनऊ महोत्सव शान-ए-लखनऊ के साथ-साथ शान-ए-भारत बने।

श्री नाईक ने कहा कि उनकी इच्छा है कि वे भी आम आदमी की तरह लखनऊ महोत्सव का आनन्द ले। उन्होंने कहा कि जैसे गणेशोत्सव की समाप्ति के अवसर पर कहा जाता है कि 'अगले बरस तू जल्दी आ' ऐसे ही लखनऊ महोत्सव भी जल्दी आये और सारे लोग खुशी-खुशी इसका आनन्द लें। लखनऊ अब सीमित नहीं है वह शिक्षा का केन्द्र भी बन रहा है।
राज्यपाल ने इस अवसर पर लखनऊ महोत्सव को सफल बनाने में अपना योगदान हेतु लखनऊ महोत्सव समिति के अध्यक्ष/मण्डलायुक्त लखनऊ, श्री महेश कुमार गुप्ता, जिलाधिकारी लखनऊ श्री राज शेखर सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को समृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया। राज्यपाल ने स्मृति चिन्ह प्राप्त करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित करने के साथ-साथ सभी पत्रकारों और छायाकारों का भी अभिनन्दन किया जिन्होंने महोत्सव के सभी आयोजन के समाचारों व छायाकंन का पूरी लगन से सम्प्रेषण किया।

समापन समारोह में पद्मविभूषण पंडित हरि प्रसाद चैरसिया ने बंासुरी वादन भी प्रस्तुत किया। राज्यपाल ने लखनऊ महोत्सव में स्मारिका 'उर्मिला' का भी विमोचन किया। इस अवसर पर विधान सभा अध्यक्ष, श्री माता प्रसाद पाण्डेय भी उपस्थित थे। समारोह में मण्डलायुक्त श्री महेश कुमार गुप्ता ने स्वागत उद्बोधन दिया तथा जिलाधिकारी श्री राज शेखर ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

लखनऊ महोत्सव

लखनऊ महोत्सव-2014
KAZMI
लखनऊ
महोत्सव
2014

लखनऊ महोत्सव-2

लखनऊ

लखनऊ महोत्सव-20